

[illegible]

एक वंशवृक्षः २३६ त्रिजालः ॥
एक वंशवृक्षः २३६ त्रिजालः ॥
एक वंशवृक्षः २३६ त्रिजालः ॥

१३६ भा० ११६ ई० भाग दुना
आगो विद्वेजना हेतु आगो आगो वि
आगो विद्वेजना हेतु आगो आगो वि
आगो विद्वेजना हेतु आगो आगो वि

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

आँधीनि सूरगल्लु, लुटि-नवरु, जका
-सिद्धि भगद जग-गम जगमा छं उडिदिनाउ

नृणां त्रयसु नृणामिह सुखकार्त्तव्यताम् २३२
परिवर्तितादिष्वपि कर्मणि आचरन्त्य

परमजाल सिद्धि प्राप्त करेन।

[illegible]
$$\begin{array}{r} 24275 \\ 92-9005 \\ \hline 90000 \end{array}$$

X

2

X

वैद्य प्रतिष्ठान

Bees

1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100.

आस्थाई चकवन्दी योजना (क्षोत्री चकवन्दी)

